अर्बन आर्ट्स एंड हेरिटेज कमीशन का होगा गठन

हिन्दुस्तान 20-12-12

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

सूबे के पुरातात्विक महत्व के स्थल अब बदहाल नहीं रहेंगे और विरासत के भवनों की भी उपेक्षा नहीं होगी। इनके योजनाबद्ध विकास व संरक्षण के लिए राज्य सरकार ने विस्तृत कार्ययोजना बनाई है। इसी दिशा में नगरीय कला एवं विरासत आयोग (अर्बन आर्ट्स एंड हेरिटेज कमीशन) के गठन का निर्णय लिया गया है। यह कमीशन इन तमाम स्थलों के संरक्षण व विकास की योजना पर काम करेगा। राज्य सरकार ने इस योजना को हरी झंडी दे दी है।

आयोग पुरातात्विक महत्व के शहरों के विकास के लिए समेकित योजना बनाएगा। वह यह भी देखेगा कि विकास योजना के कार्यान्वयन से सम्बद्ध शहरों का मूल स्वरूप बाधित न हो। उनका मौलिक स्वरूप और खासियत बनी रहे। साथ ही उनके मौजूदा स्वरूप का किसी स्तर पर क्षरण न हो। इस समय सूबे के अधिसंख्य पुरातात्विक महत्व के शहर कई तरह की कठिनाइयों से गुजर रहे हैं। एक ओर उनका प्राचीन स्वरूप तेजी से खत्म होता जा रहा है तो दूसरी ओर समय के साथ उनके विकास का संकट है। स्वरूप संरक्षण और क्रमबद्ध विकास में समन्वय बनाना कठिन हो गया है।

राज्य सरकार की योजना है कि सूबे के ऐसे तमाम शहर जिनका पुरातात्विक महत्व है और जो ऐतिहासिक विरासत के स्थल हैं, उन्हें शहरी विकास के साथ-साथ संरक्षित किया जाए।

शहरी विकास की योजना के साथ ऐसे महत्वपूर्ण शहरों को सम्बद्ध करने के लिए ही सरकार ने अर्बन आर्ट्स एंड हेरिटेज कमीशन बनाने का फैसला किया है। यह कमीशन शहरों के विकास के लिए सुझाव देगा, कार्ययोजना बनाएगा और उसे कार्यान्वित करने की दिशा में पहल करेगा।

योजना तैयार

- पुरातात्विक स्थानों व भवनों के योजनाबद्ध विकास व संरक्षण की योजना
- इस समय तेजी से हो रहा इन स्थलों का क्षरण

पुरातात्विक तथा विरासत स्थानों व भवनों के संरक्षण व क्रमबद्ध विकास के लिए कमीशन के गठन का निर्णय लिया गया है। यह अपनी तरह की अनोखी योजना होगी जो ऐसे स्थानों के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। -डॉ. प्रेम कुमार, नगर विकास व आवास मंत्री